



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 136]

No. 136)

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 29, 1982/वैशाख 9, 1904

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 29, 1982/VAISAKHA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1982

सां०का०वि० 362(अ)आ०/वस्तु/चीनी.—केन्द्रीय सरकार, चीनी (निर्यात) प्रादेश, 1966 के खण्ड 5 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) के प्रादेश सं० सां०का०वि० 410 (अ)/आ० वस्तु/चीनी, तारीख 14 जुलाई, 1980 को अधिकांश करते हुए, यह निदेश देती है कि कोई भी माध्यताप्राप्त व्यवहारी, किसी भी समय स्टॉक में,—

(1) नीचे वर्णित स्थानों में प्रत्येक के सामने उल्लिखित मात्रा से अधिक निर्यात कड़ाह चीनी (वैक्यूम पैम शुगर) नहीं रखेगा,—

(क) कलकत्ता और बिस्तरित क्षेत्र में—

(क) माध्यताप्राप्त व्यवहारी जो पश्चिमी बंगाल के बाहर से चीनी आयात करते हैं—7,500 क्विंटल;

(ख) अन्य माध्यताप्राप्त व्यवहारी—1000 क्विंटल;

(2) अन्य स्थानों में—

(क) 5 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में—1000 क्विंटल;

(ख) एक लाख या उससे अधिक किन्तु 5 लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में—500 क्विंटल;

(ग) एक लाख से कम जनसंख्या वाले अन्य नगरों में—250 क्विंटल;

(2) खांडसारी (छूला कड़ाह चीनी) 1000 क्विंटल से अधिक नहीं रखेगा :

परन्तु यह कि इस प्रादेश की कोई बात, निम्नलिखित द्वारा रखी गई चीनी के स्टॉक को लागू नहीं होगी—

(1) सरकार मई स्टॉक : अथवा

(2) राज्य सरकार द्वारा या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा नामनिर्देशित किसी माध्यताप्राप्त व्यवहारी द्वारा उचित मूल्य की बुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रखा गया स्टॉक; अथवा

(3) भारतीय खाद्य निगम द्वारा रखा गया स्टॉक।

स्पष्टीकरण—इस प्रादेश के प्रयोजन के लिए, “कलकत्ता और बिस्तरित क्षेत्र” से पश्चिमी बंगाल सरकार की अधिसूचना सं० 7752-एफ०एस०/एफ०एस०-14-प्रार० 92/61, तारीख 16 दिसम्बर, 1964 में विनिर्दिष्ट क्षेत्र अधिभूत है।

[सं० 1-6/82-एस०पी०वाई० (बेस्क-2)]

सी०एन० राघवन, संयुक्त सचिव (चीनी)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 29th April, 1982

G.S.R. 362 (E)/Ess. Com/Sugar.—In exercise of the powers conferred by clause 5 of the Sugar (Control) Order,

1966, and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. G.S.R. 410(E)/Eas. Com./Sugar, dated the 14th July, 1980, the Central Government hereby directs that no recognised dealer shall keep in stock at any time, —

(1) vacuum pan sugar, in the places mentioned below, in excess of the quantities mentioned against each,—

(i) in Calcutta and extended area—

(a) recognised dealers who import sugar from outside West Bengal—7,500 quintals;

(b) other recognised dealers—1,000 quintals;

(ii) in other places—

(a) in cities and towns with a population of 5 lakhs or more—1,000 quintals;

(b) in cities and towns with a population of one lakh or more but less than 5 lakhs—500 quintals;

(c) in other towns with a population of less than one lakh—250 quintals.

(2) Khandsari (open pan sugar) in excess of 1,000 quintals :

Provided that nothing in this Order shall apply to the holding of stocks of sugar—

(i) on Government account; or

(ii) by the recognised dealers nominated by a State Government or an officer authorised by it to hold such stock for distribution through fair price shops; or

(iii) by the Food Corporation of India.

Explanation.—For the purpose of this Order, "Calcutta and extended area means the areas specified in the Schedule to the notification of the Government of West Bengal No. 7752 F.S./F.S./14 R 92/61, dated the 16th December, 1964.

[No. 1-6/82-SPY(D-II)]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy. (Sugar)